प्रेस विज्ञप्ति

हिन्दुस्तान कॉलेज के ऑटोमोबाइल एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों ने बनायी फार्मूला–1 वाहन

सुप्रा एस.ए.ई. इंडिया की प्रतियोगिता बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट, ग्रेटर नोयडा में 11 से 16 जून तक चली

शारदा ग्रुप के प्रतिष्ठित संस्थान हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी के ऑटोमोबाइल एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों ने सुप्रा एस.ए.ई. इंडिया 2018 में भाग लिया। प्रतियोगिता 11 से 16 जून, 2018 तक चली। इस प्रतियोगिता में देशभर के बड़े संस्थान जैसे आई.आई.टी., एन.आई.टी. एवं प्रतिष्ठित कॉलेज और शिक्षा संस्थान के छात्र प्रतिभाग करते हैं। इस प्रतियोगिता में कुल 126 टीमों के 3 हजार 500 छात्रों ने भाग लिया जिसमें से सिर्फ 27 टीमों ने ही टैक्नीकल इनस्पेक्शन राउण्ड पास किया। जिसमें हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी के भी छात्र शामिल थे।

ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के प्रवक्ता एवं मार्गदर्शक श्री सुमित पांचाल ने बताया कि एस.ए.ई. इंडिया हर वर्ष राष्ट्र स्तर पर सुप्रा नाम से प्रतियोगिता का आयोजन करती है जो कि मारूती सुजुकी एवं अन्य एम.एन.सी. कंपनियों के द्वारा प्रायोजित होती है और उन्होंने बताया कि विभाग के छात्रों की टीम ''प्लास्टर रेसिंग'' नामक इस छात्र समूह ने बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट, ग्रेटर नोयडा में आयोजित सुप्रा एस.ए.ई. इण्डिया के अंतिम राउण्ड में अपना लोहा मनवाया

और सफलता पूर्वक इसे पास किया। मारूती सुजूकी व एस.ए.ई. इण्डिया द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में पूरे देशभर से आये 126 से अधिक जाने–माने इंजीनियरिंग कॉलेजों ने भाग लिया।

टीम के कप्तान यश अग्रवाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए एक वर्ष पूर्व से ही तैयारी शुरू कर दी थी। छात्रों के द्वारा तैयार किया गया वाहन एक सीटर वाहन है, जिसकी अधिकतम गति 150 किलोमीटर प्रति घंटा है। वाहन की लंबाई 2500 एम.एम. और चौड़ाई 1300 एम.एम. है। यह एक फार्मूला स्टाइल वाहन है। वाहन का हृदय भाग यानि कि उसका ईंजन के.टी. एम. ड्यूक 390 बाईक का है जो कि आस्ट्रेलिया में निर्मित किया गया। इस वाहन का इंजन 43 बी.एच.पी. का है जो कि इस वाहन को अधिक शक्ति प्रदान करता है।

मैकेनिकल विभाग के विभागाध्यक्ष श्री पुनीत मंगला के अनुसार इस अंतिम राउण्ड के सिंगल सीटर फार्मूला–1 वाहन का डिजायनिंग के अलग–अलग पहलुओं पर विश्लेषण करना होता है और बताया कि 11 छात्रों की बनी इस टीम ने विद्यार्थियों को अलग–अलग विभाग बाँट दिये गये जैसे– कप्तान यश अग्रवाल ने टीम प्रबंधन और ससपेंशन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। फार्मूला 1 कार का चेसीज डिजाइन और विश्लेषण चिराग जैन ने किया। वाहन का पावर ट्रेन और ब्रेकिंग सिस्टम छात्र हर्षित गुप्ता ने किया। टीम के उपकप्तान रोहन जैन ससपेंशन और स्टेरिंग का कार्य किया। वाहन की फेब्रीकेशन और असेंबली छात्र सान–ई–ईलाही और आदित्य राज के द्वारा ने किया। ईंजन का कार्य नवनीत तिवारी और इमरान अली ने किया। मार्केटिंग का पूरा काम धनेन्द्र और अनुज सौनी ने पूरा किया।

छात्रों के कौशल एवं हुनर के दम पर ही फार्मूला–1 वाहन बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट तक पहुंचा जहाँ वाहन ने खूब तारीफें बटोरी। वहाँ पर छात्रों के कार्य एवं टीम वर्क की खूब प्रशंसा हुई। इस वाहन को बनाने में करीब 5.5 लाख रुपये का खर्चा आया। इस वाहन को बनाने के लिए कॉलेज ने भरपूर मदद की।

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट, ग्रेटर नोयडा में मारूती सुजूकी के भूतपूर्व हैड आई.बी. राव ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता से देश के लिए योग्य एवं कुशल इंजीनियर पैदा होंगे।

प्रतियोगिता के अंतिम दिन 16 जून को मारूती सुजूकी के वरिष्ठ अधिकारी भी वहाँ मौजूद रहे। अधिकारियों ने हिन्दुस्तान कॉलेज के छात्रों से बातचीत की और नये सुझाव भी दिये। प्रतियोगिता के दौरान छात्रों ने जर्मन से आये विशेषज्ञों से भी बातचीत की और नयी तकनीकी के बारे में जाना।

शारदा ग्रुप के वाइस चेयरमैन श्री वाई.के. गुप्ता एवं ग्रुप के कार्यकारी उपाध्यक्ष श्री प्रदीप महथा ने ऑटोमोबाइल एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षक एवं फार्मूल–1 वाहन बनाने वाले समस्त छात्रों को बधाई एवं शुभकामनायें दी और कहा कि आज के समय में योग्य एवं कुशल इंजीनियर इसी तरह की प्रतियोगिता से निखर के आते है जो देश और संस्थान का नाम रोशन करते हैं।

संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव कुमार उपाध्याय ने ऑटोमोबाइल एवं मकैनीकल विभाग की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुये विभाग एवं टीम प्लास्टर रेसिंग को बधाई एवं शुभकामनायें देते हुये बताया कि हर वर्ष सुप्रा एस.ए.ई. इण्डिया प्रतियोगिता आयोजित करता है। जिसमें पूरे भारत वर्ष से अण्डर ग्रेजुएट एवम् ग्रेजुएट छात्र प्रतिस्पर्धा करते हैं। इस प्रतियोगिता में हर टीम को एक सिंगल सीटर फार्मूला–1 व्हीकल बनाना पड़ता है। जिसकी डिजायन विद्यार्थी

खुद बनाते हैं एवम् परीक्षण भी करते हैं। इससे छात्रों को प्रयोगात्मक कार्यकौशल का ज्ञान मिलता है।

संस्थान के अधिशासी निदेशक प्रो. वी. के. शर्मा ने विशेष रूप से परियोजना के प्रधान अन्वेशक श्री सुमित पांचाल और उप–प्रधान अन्वेशक श्री हेमंत सिंह राजपूत के दिशा निर्देशों से बनी इस टीम ने सफलता प्राप्त कर अपने कॉलेज का नाम रोशन करने पर विभाग एवं विभाग के सभी शिक्षकों को शुभकामना संदेश दिया और कहा कि यह संस्थान के लिए गौरव का विषय है इसी के साथ विभाग से निरन्तर इसी प्रकार उपलब्धियाँ हासिल करते रहने की अपेक्षा की।